एमआरपीएल द्वारा स्वच्छ भारत अभियान हेतु अंशदान

"स्वच्छ भारत" निर्माण के लिए हमारे माननीय प्रधान मंत्री द्वारा किये गये आह्वान के जवाब में एमआरपीएल ने 2 अक्टूबर 2014 से "स्वच्छ भारत मिशन" के लिए प्रतिबद्ध किया है। डीपीई दिशानिर्देशों के अनुसार एमआरपीएल के वार्षिक सीएसआर बजट का तैंतीस प्रतिशत स्वच्छ भारत परियोजनाओं को शुरू करने के लिए चिह्नित किया गया था।

1. **स्वच्छ विद्यालय अभियान :**

   इस मिशन के तहत "स्वच्छ विद्यालय अभियान" एक प्रमुख गतिविधि है जो सभी स्कूली बच्चों के लिए उचित स्वच्छता और स्वच्छता सुविधाएं सुनिश्चित करेगा। एमआरपीएल ने कर्नाटक राज्य के दक्षिण कन्नड़ और उडुपी जिलों में 31 सरकारी / सहायता प्राप्त स्कूलों में 54 शौचालयों का निर्माण किया है। इन शौचालयों के निर्माण की कुल लागत रुपये 1.59 करोड़ है। सभी 54 शौचालयों का निर्माण पूरा हो चुका है और उन्हें संबंधित स्कूल अधिकारियों को सौंप दिया गया है।

2. **स्कूल बच्चों में स्वच्छ भारत की जागरूकता**

   स्कूल प्राधिकारियों को शौचालय सौंपते समय स्कूली बच्चों को भारत सरकार के स्वच्छ विद्यालय अभियान कार्यक्रम के उद्देश्य, बेहतर उपयोग के लिए स्कूल शौचालयों के उचित रखरखाव के महत्व, स्कूल के बच्चों में स्वास्थ्य और व्यक्तिगत स्वच्छता के बारे में बताया गया। लड़कियों के लाभ के लिए मासिक धर्म स्वच्छता पर जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

3. **स्कूल शौचालयों का रखरखाव:**

   एमआरपीएल ने दक्षिण कन्नड़ और उडुपी जिले के 31 सरकारी/सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों/कॉलेजों में स्वच्छ विद्यालय कार्यक्रम के तहत बनाए गए सभी 54 शौचालयों के रखरखाव का जिम्मा लिया है। दो साल की हेतु मासिक आधार पर स्कूलों को श्रम शुल्क और उपभोग्य सामग्रियों की लागत की प्रतिपूर्ति की गई।

4. **रामकृष्ण मठ, मंगलूरु द्वारा स्वच्छ मंगलूरु अभियान**

(i) स्वच्छ मंगलूरु अभियान में एमआरपीएल रामकृष्ण मठ, मंगलूरु के साथ जुड़ा हुआ है जिसमें सड़कों की सफाई, बस स्टैंड, ऑटो स्टैंड का निर्माण और मैंगलोर के नागरिकों के बीच स्वच्छता के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए "स्वच्छ मानस" कार्यक्रम शामिल है।

(ii) **एमआरपीएल ने "स्वच्छ मंगलूरु" कार्यक्रम हेतु निम्नानुसार अंशदान दिया है:**

2015-16	14.00 लाख
2016-17	50.00 लाख
2017-18	257.24 लाख

2018-19 417.72 लाख

5. **माता अमृतानंदमयी मठ, मंगलूरु द्वारा आयोजित "अमला भारत" कार्यक्रम:**

एमआरपीएल ने माता अमृतानंदमयी मठ, मंगलूरु के अमला भारत कार्यक्रम में भाग लिया। वे स्वयंसेवकों के विभिन्न समूहों के साथ मिलकर स्वच्छता अभियान और अन्य स्वच्छता संबंधी कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं।

6. **धुआं मुक्त गाँव अभियान:**

Smoke free village campaign:

पड़ोस में पांच ग्राम पंचायतें अर्थात, **(i)** बाला ग्राम पंचायत जिसमें बाला और कलावर गाँव शामिल हैं, **(ii)** जोकट्टे ग्राम पंचायत,**(iii)** पेरमुदे ग्राम पंचायत जिसमें पेरमुदे और कुत्तेतूर गाँव शामिल हैं, **(iv)** सूरिंजे ग्राम पंचायत जिसमें सूरिंजे और देलंतबेट्टू गाँव शामिल हैं और**(v)** चेलारु ग्राम पंचायत जिसमें चेलारु और मध्या गाँव शामिल हैं, उसे वित्तीय वर्ष **2015-16** और **2016-17** के दौरान एमआरपीएल द्वारा धूम्रपान मुक्त घोषित किया गया था।

खाना पकाने के लिए बायोमास का उपयोग करने वाले बीपीएल और एससी / एसटी परिवारों को दो बर्नर गैस स्टोव और संबंधित सामान के साथ पेशगी निशुल्क एलपीजी कनेक्शन वितरित किए गए, जैसा कि संबंधित ग्राम पंचायतों के पंचायत विकास अधिकारियों द्वारा पहचान किया गया था। इन एलपीजी कनेक्शनों के वितरण के लिए आयोजित समारोह के दौरान संबंधित ग्राम पंचायतों के पंचायत अध्यक्षों ने ग्राम पंचायतों के अंतर्गत आने वाले गांवों को "धुआं मुक्त" घोषित किया।

7. **स्कूल में शौचालय का निर्माण:**

वर्ष 2014-15 और 2015-16 के दौरान स्वच्छ विद्यालय कार्यक्रम के हिस्से के रूप में 54 शौचालयों के निर्माण के अलावा, एमआरपीएल ने कर्नाटक राज्य के दक्षिण कन्नड़ और उडुपी जिलों में विभिन्न सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में लड़कों और लड़कियों के लिए 124 शौचालयों का निर्माण किया है।

8. सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण:

एमआरपीएल ने सार्वजनिक स्थानों जैसे बस स्टैंड, तीर्थस्थान, समुद्र तटों आदि में आम जनता के उपयोग हेतु 19 सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण किया है।

9. **व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों का निर्माण:**

दक्षिण कन्नड़ जिला सीईओ के सलाह के अनुसार एमआरपीएल ने सुल्या तालुक के दूरस्थ गाँव बलपा (संसद आदर्श ग्राम) में 46 शौचालयों का निर्माण किया है और दक्षिण कन्नड़ जिले में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/ओबीसी परिवारों के लिए 62 शौचालयों का निर्माण किया है।

10. मलजल उपचार संयंत्र की स्थापना

एमआरपीएल ने दो मलजल उपचार संयंत्रों को स्थापित किया है, एक विवेकानंद पॉलिटेक्निक, पुत्तूर तालुक में और दूसरा श्री दुर्गापरमेश्वरी मंदिर परिसर, बप्पनाडु, मंगलूरु तालुक में ।

11. सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन और इनसिनेटर्स की स्थापना:

कर्नाटक राज्य के यादगिर और रायचूर के महत्वाकांक्षी जिलों में, एमआरपीएल ने 329 सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों और कॉलेजों में नैपकिन वेंडिंग मशीनें और इनसिनेटर्स स्थापित किया है।

12. अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के छात्रावासों में बॉयोगैस संयंत्रों की स्थापना

एमआरपीएल ने उप निदेशक, समाज कल्याण विभाग, दक्षिण कन्नड़ जिला के अनुरोध के अनुसार दक्षिण कन्नड़ जिले में 28 अनुसूचित जाति /अनुसूचित जनजाति छात्रावासों में बॉयोगैस संयंत्र स्थापित किए हैं।।

13.मंदिरों में जैविक अपशिष्ट परिवर्तक मशीनों की स्थापना:

मंदिरों में उत्पन्न हरे कचरे के सुचारू निपटान हेतु, दक्षिण कन्नड़ जिला के कटील, कद्री, मंगलादेवी और कुक्के सुब्रमण्य मंदिरों में चार अपशिष्ट निपटान मशीनों की स्थापना की गई है ।

14. स्वच्छ सुरतकल कार्यक्रम :

एमआरपीएल ने अपने स्वच्छ सुरतकल अभियान कार्यक्रम में रोटरी एजुकेशनल एण्ड चैरिटेबल ट्रस्ट के साथ हाथ मिलाया है। सुरतकल फ्लाईओवर के नीचे सुंदर स्थान का रखरखाव एमआरपीएल द्वारा लगातार किया जाता है।